(Pages : 4) **T – 5480**

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, July 2024

Hindi Language and Literature

HL-CC-541 : MODERN POETRY SINCE PRAYOGVAD

(2021 Admission onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या वाक्यांश में लिखिए।

1. तीसरा सप्तक का प्रकाशन कब हुआ?

2. 'नई कविता : सीमाएँ और संभावनाएँ' किसकी आलोचनात्मक कृति है?

3. 'मुक्तिप्रसंग' किसकी काव्य कृति है?

4. अज्ञेय की किस काव्य-कृति को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है?

5. सरस्वति सम्मान से पुरस्कृत लीलाधर जगूडी की रचना क्या है?

6. अरूण कमल की 'मुक्ति' कविता किस काव्य ग्रन्थ से ली गई है?

7. 'रामदास की हत्या' किसके द्वारा रचित है?

8. राजेश जोशी द्वारा रचित लम्बी कविता कौन-सा है?

P.T.O.

9. "जब कोई चिट्ठी उसकी आती है

घर में बसी उसकी यादें।।" – किसका चरण हैं?

10. "और मैं एकांत होता हूँ

समर्पित

सब जादू हैं।।" – किसका कवितांश हैं?

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर करीब 250 शब्दों में लिखिए।

11. प्रयोगवादी काव्यधारा की मुख्य प्रवृत्तियों का निरूपण करके किसी एक प्रयोगवादी कवि का मूल्यांकन कीजिए।

12. मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए 'ब्रह्मराक्षस' कविता की आलोचना कीजिए।

13. धूमिल की कवि दृष्टि पर विचार करके 'मोचीराम' कविता की समीक्षा कीजिए।

14. अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता का परिचय देकर 'असाध्यवीणा' कविता का मूल्यांकन कीजिए।

15. पारिस्थितिक संकट के संदर्भ में 'अकाल में सारस' कविता की आलोचना कीजिए।

16. 'किरणों के बीच भूमिगत' कविता के आधार पर कात्यायनी के स्त्री-विमर्श सम्बन्धी दृष्टिकोण पर विचार कीजिए।

(3 × 10 = 30 Marks)

III. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर करीब 125 शब्दों में लिखिए।

17. अज्ञेय की काव्य भाषा।

18. अकविता।

19. अरूण कमल की काव्य दृष्टि।

20. 'बेजगह' में अभिव्यक्त नारी विमर्श।

21. 'गीत फरोश' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

22. 'कविता की मौत' के काव्य वैशिष्ट्य पर विचार कीजिए।

(3 × 5 = 15 Marks)

IV. किन्हीं चार प्रश्नों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

23. यदि दुर्बलता दर्प में बदल जाय,
व्यथा अन्तर्दृष्टि दे,
खंडित आत्माएँ
संचित कर सके शक्ति की समिधाएँ
जो जलकर अग्नि को भी
गन्ध ज्वार बना दें।।

24. किलक उठे थे स्वर शिशु
नीरव परदा रखना जालिक मायावी
सधे करों से धीरे-धीरे-धीरे
डाल रहा था जाल हेम तारों का।।

25. फिर भी इतना विश्वासी कि अपने मन के साथ ही आया हूँ यहाँ
जहाँ बहुरूपिया हो जाना ही रोज़ी-रोटी है
हर बार जब लौटता थका हुआ।।

26. मैल कितना उत्पादक हो सकता है यह साबुनों और
डिटर्जेंट पाउडरों के बीच हो रहे युद्ध से जाना जा सकता है
जिन्हें सौंदर्य के मैनेजर अधिक सुन्दर दामों पर बेचने की होड़ में हैं।।

27. आज हम
बात कम काम ज़्यादा चाहते हैं
इसी क्षण
मारना या मरना चाहते हैं और
एक बहुत बड़ी आकांक्षा से
डरना चाहते हैं
जिलाधीशों से नहीं।।

28. जी, पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको,
पर बाद-बाद में अक्ल जगी मुझको,
जी, लोगों ने तो बेच दिए ईमान,
जी, आप न हों सुन कर ज़्यादा हैरान।।

(4 × 5 = 20 Marks)